



SHRI VISHWANATH PRASAD TIWARI

Shri Vishwanath Prasad Tiwari is an eminent Hindi poet, critic, creative prose writer and editor. He has wide acceptance as an independent thinker among all Indian languages. He is the Editor of the famous literary magazine 'Dastavez' being published quarterly since 1978.

2. Born on 7th October, 1940 in a village of Gorakhpur (now Kushinagar) district in Uttar Pradesh, Shri Tiwari received his Masters and Doctorate degree from DDU University, Gorakhpur. He retired as a Professor and Head of Hindi Department from the same University in 2001. In 2008, he became Convener of Hindi language in Sahitya Akademy, New Delhi and in 2011 he was elected as Vice President of Sahitya Akademy. From 2013 to 2017, he served as the President of Sahitya Akademy. He is the first Hindi writer to be elected at this prestigious position since the inception of Akademy. He was elected unopposed.

3. Shri Tiwari has written and published more than 50 books comprising 13 books of criticism, 6 collections of poetry, 4 travelogues, 2 memoirs, 1 diary, 1 autobiography, 4 interviews and 19 edited books. He has both creative and critical talent. His entire writing is against colonial inferiority complex and rigidity of ideologies. Ancient Indian values based on love, compassion and peace for all beings and whole existence, Democracy, Equality and Freedom form the core of his writings. Some of his books have been translated in 16 Indian languages and also in English and Russian. He has widely travelled and participated in various literary and cultural events in India as well many foreign countries including USA, Russia, China, Japan, UK, Germany, France, Canada, Mauritius, Netherland, Luxembourg, Belgium, Thailand, South Korea, Austria and Nepal.

4. Shri Tiwari is the recipient of various awards and honours. He received 'Moortidevi' award of Bhartiya Gyanpeeth, 'Vyas samman' of Birla Foundation, Maithilisharan Gupta Samman of Madhya Pradesh, Samagra Krititva Samman of Bhartiya Bhasha Parishad Kolkata, Mahapandit Rahul Sankrityayan Award of Kendriya Hindi Sansthan, Gangadhar Mehar National Poetry Award of Odisha, Dr. Rajendra Prasad Shikhar Samman of Bihar, Sahitya Bhushan and Hindi Gaurav Samman of Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lifetime Fellowship of Sahitya Akademy and many other awards.



श्री विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

श्री विश्वनाथ प्रसाद तिवारी एक प्रख्यात हिंदी कवि, आलोचक, सर्जनात्मक गद्य लेखक और संपादक हैं। उन्हें सभी भारतीय भाषाओं में एक स्वतंत्र विचारक के रूप में गहरा सम्मान प्राप्त है। वह 1978 से त्रैमासिक रूप से प्रकाशित होने वाली प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'दस्तावेज' के संपादक हैं।

2. 7 अक्टूबर, 1940 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर (अब कुशीनगर) जिले के एक गांव में जन्मे, श्री तिवारी ने डीडीयू विश्वविद्यालय, गोरखपुर से स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। वह 2001 में उसी विश्वविद्यालय से हिंदी विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए। 2008 में, वह साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में हिंदी भाषा के संयोजक बने और 2011 में साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष के रूप में चुने गए। 2013 से 2017 तक, उन्होंने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह अकादमी की स्थापना के बाद से इस प्रतिष्ठित पद पर चुने जाने वाले पहले हिंदी लेखक हैं। वह निर्विरोध चुने गए।

3. श्री तिवारी ने 50 से अधिक पुस्तकें लिखी और प्रकाशित की हैं जिनमें 13 समालोचना, 6 काव्य संग्रह, 4 यात्रा वृत्तांत, 2 संस्मरण, 1 डायरी, 1 आत्मकथा, 4 साक्षात्कार और 19 संपादित पुस्तकें शामिल हैं। उनमें रचनात्मक और समालोचनात्मक दोनों प्रकार की प्रतिभा है। उनका पूरा लेखन औपनिवेशिक हीन भावना और संकीर्ण विचारधाराओं के खिलाफ है। समस्त प्राणियों के प्रति प्रेम, करुणा और शांति तथा लोकतंत्र, समानता और स्वतंत्रता पर आधारित प्राचीन भारतीय मूल्य उनके लेखन की मूल पहचान हैं। उनकी कुछ पुस्तकों का 16 भारतीय भाषाओं में और अंग्रेजी और रूसी में भी अनुवाद किया गया है। उन्होंने भारत के साथ-साथ अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, मॉरीशस, नीदरलैंड, लक्समबर्ग, बेल्जियम, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रिया और नेपाल सहित कई अन्य देशों की यात्राएं की हैं और वहां आयोजित विभिन्न साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया है।

4. श्री तिवारी को विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ का 'मूर्तिदेवी' पुरस्कार, बिड़ला फाउंडेशन का व्यास सम्मान, मध्य प्रदेश का मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, भारतीय भाषा परिषद कोलकाता का समग्र कृतित्व सम्मान, केंद्रीय हिंदी संस्थान का महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार, ओडिशा का गंगाधर मेहर राष्ट्रीय कविता पुरस्कार, बिहार का डॉ. राजेंद्र प्रसाद शिखर सम्मान, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का साहित्य भूषण और हिंदी गौरव सम्मान, साहित्य अकादमी की आजीवन अध्येतावृत्ति और कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए।